



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

HR
21/3/89

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 448]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 22, 1988/श्रावण 31, 1910

No. 448]

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 22, 1988/SRAVANA 31, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

दिस मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचनाएं

बीमा

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1988

उपनियम (1) की सारणी के खण्ड (क) में "पणजी तथा मामौगोवा के
नगरीय क्षेत्र" शब्दों के स्थान पर "गोवा राज्य का कोई शहर" शब्द
रखे जाएंगे।

[फा. सं. 6(64) /बीमा III/87]

साप्तीकारक शापन

सा.का.नि. 870(प्र) :—केन्द्रीय सरकार, जीवन बीमा निगम
अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 48 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों
का प्रयोग करते हुए, भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4
कर्मचारी (सेवा के निबन्धनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985
का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय जीवन बीमा निगम
वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा के निबन्धनों और शर्तों का पुनरीक्षण)
(दूसरा संशोधन) नियम, 1988 है।

(2) ये 19 मई, 1988 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा
के निबन्धनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 के नियम 10 के

केन्द्रीय सरकार ने गोवा राज्य के किसी शहर में फ़रस्य भारतीय
जीवन बीमा निगम के कर्मचारियों को 19 मई, 1988 से एक समान
दरों पर नगर प्रतिकरात्मक भत्ते का मंजूरी के लिए अनुमोदन दे दिया है।
तबनुसार, इसे प्रभावी बनाने के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3
और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा के निबन्धनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम,
1985 को 19 मई, 1988 से संशोधित किया जा रहा है।

2. यह प्रमाणित किया जाता है कि भारतीय जीवन बीमा निगम के
किसी कर्मचारी के हित पर इसकी भूतलक्षी प्रभाव दिए जाने के कारण
प्रतिकूल रूप से प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

पाठ टिप्पण: गृह निगम अधिसूचना सं. सा. का. नि. 357 (प्र)
तारीख 11-4-1985 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

तत्पश्चात् वे अधिसूचना सं. सा.का.नि. 18(य) तारीख 7-1-1986, सा.का.नि. 1076(अ) तारीख 11-9-1986 और सा.का.नि. 961(अ) तारीख 7-12-1987 द्वारा संशोधित किए गए।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATIONS

INSURANCE

New Delhi, the 22 August, 1988

G. S. R. 870 (E) :—In exercise of the powers conferred by section 48 of the Life Insurance Corporation Act 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules 1985, namely :—

1. (1) These rules may be called the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Second Amendment Rules, 1988.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 10th day of May 1988.

2. In sub-rule (1) of rule 10 of the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules 1985, in clause (a) of the table, for the words "urban agglomeration of Panaji and Marmugao" the words "any city in the State of Goa" shall be substituted.

[F. No. 6 (61) |Ins. III|87]

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government has accorded approval to the grant of City Compensatory Allowance to the employees of the Life Insurance Corporation of India posted in any city in the State of Goa at uniform rates with effect from 19th May, 1988. Accordingly, to give effect to this, the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision) of Terms and Conditions of Service Rules, 1985 is being amended with effect from 19th May, 1988.

2. It is certified that the interest of no employee of the Life Insurance Corporation of India is likely to be affected adversely by reason of being given retrospective effect.

Foot Note : The principal rules were published vide Notification No. GSR 357 (E) dated 11-4-1985. Subsequently amended by Notifications Nos. GSR 18 (E) dated 7-1-1986, GSR 1076 (E) dated 11-9-1986 and GSR 961 (E) dated 7-12-1987.

सा.का.नि. 871(अ) :—केन्द्रीय सरकार, जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय जीवन बीमा निगम विकास अधिकारी (सेवा के निबन्धनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1986 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय जीवन बीमा निगम विकास अधिकारी (सेवा के निबन्धनों और शर्तों का पुनरीक्षण) संशोधन नियम, 1988 है।

(2) ये 19 मई, 1988 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. भारतीय जीवन बीमा निगम विकास अधिकारी (सेवा के निबन्धनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1986 के नियम 7 के खण्ड (क) में "पणजी तथा मर्मोगोवा के नगरीय क्षेत्रों में" शब्दों के स्थान पर "गोवा राज्य के किसी शहर में" शब्द रखे जाएंगे।

[फा. सं. 6(61)/बीमा III/87(1)]

स्पष्टीकारक भाष्य

केन्द्रीय सरकार ने गोवा राज्य के किसी शहर में पदस्थ भारतीय जीवन बीमा निगम के कर्मचारियों को 19 मई, 1988 से एक समान दरों पर नगर प्रतिकरात्मक भत्ते की मंजूरी के लिए अनुमति दे दिया है। तदनुसार, इसको प्रभावी बनाने के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम विकास अधिकारी (सेवा के निबन्धनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1986 को 19 मई, 1988 से संशोधित किया जा रहा है।

2. यह प्रमाणित किया जाता है कि भारतीय जीवन बीमा निगम के किसी कर्मचारी के हित पर भूतलकी प्रभाव दिए जाने के कारण प्रतिकूल रूप से प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

पाठ टिप्पण : मूल नियम अधिसूचना सं. का. नि. 1091(अ) तारीख 17-9-1986 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

तत्पश्चात् वे अधिसूचना सं. सा.का.नि. 962 (अ) तारीख 7-12-1987 द्वारा संशोधित किए गए।

G. S. R. 871 (E) :—In exercise of the powers conferred by section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Life Insurance Corporation of India Development Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1986, namely :—

1. (1) These rules may be called the Life Insurance Corporation of India Development Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Amendment Rules, 1988.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 19th day of May, 1988.

2. In rule 7 of the Life Insurance Corporation of India Development Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules 1986, in clause (a), for the words "urban agglomeration of Panaji and Marmugao", the words "any city in the State of Goa" shall be substituted.

[F. No. 6 (61) |Ins. III|87 (i)]

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government has accorded approval to the grant of city Compensatory Allowance to the employees of the Life Insurance Corporation of India posted in any city in the State of Goa at uniform rates with effect from 19th May, 1988. Accordingly, to give effect to this, Life Insurance Corporation of India Development Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1986 is being amended with effect from 19th May, 1988.

2. It is certified that the interest of no employee of the Life Insurance Corporation of India is likely to be affected adversely by reason of being given retrospective effect.

Foot Note : The principal rules were published vide Notification No. GSR 1091(E) dated 17-9-1986. Subsequently amended by Notification No. GSR 962 (E) dated 7-12-1987.

मा. का. नि. 872(अ).—केन्द्रीय सरकार, जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय जीवन बीमा निगम श्रेणी I अधिकारी (सेवा के निबन्धनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय जीवन बीमा निगम श्रेणी I अधिकारी (सेवा के निबन्धनों और शर्तों का पुनरीक्षण) दूसरा संशोधन नियम, 1988 है।

(2) ये 19 मई, 1988 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2 भारतीय जीवन बीमा निगम श्रेणी I अधिकारी (सेवा के निबन्धनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 के नियम 7 के खण्ड (क) में "पणजी तथा मार्मोगोवा के नगरीय क्षेत्रों में" शब्दों के स्थान पर "गोवा राज्य के किसी शहर में" शब्द रखे जाएंगे।

[फा. सं. 6(61)/बीमा/III/87(2)]

एस. कण्णन, संयुक्त सचिव

स्पष्टीकारक भाषण

केन्द्रीय सरकार ने गोवा राज्य के किसी शहर में पदस्थ भारतीय जीवन बीमा निगम के कर्मचारियों को 19 मई, 1988 से एक समान दरों पर नगर प्रतिकारक भत्ते की संजूरी के लिए अनुमोदन दे दिया है। तदनुसार, इसको प्रभावी बनाने के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम श्रेणी I अधिकारी (सेवा के निबन्धनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 को 19 मई, 1988 से संशोधित किया जा रहा है।

2. यह प्रमाणित किया जाता है कि भारतीय जीवन बीमा निगम के किसी कर्मचारी के हित पर इसकी प्रभाव बिना जाने के कारण प्रतिकूल रूप से प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

पार दिव्यण : मूल नियम अधिसूचना सं. 794(अ) तारीख 11-10-1985 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

परपश्चात् वे अधिसूचना सं. का. नि. 960(अ) तारीख 7-12-1987 और मा. का. नि. 493 (अ) तारीख 22-4-1988 द्वारा संशोधित किए गए।

G. S. R. 872 (E) :—In exercise of the powers conferred by section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Life Insurance Corporation of India Class I Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, namely :—

1. (1) These rules may be called the Life Insurance Corporation of India Class I Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Second Amendment Rules, 1988.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 19th day of May, 1988.

2. In rule 7 of the Life Insurance Corporation of India Class I Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules 1985, in clause (a), for the words "urban agglomeration of Panaji and Marmugao", the words "any city in the State of Goa" shall be substituted.

[F. No. 6(61)/Ins. III/87(2)]

S. KANNAN, Jt. Secy.

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government has accorded approval to the grant of City Compensatory Allowance to the employees of the Life Insurance Corporation of India posted in any city in the State of Goa at uniform rates with effect from 19th May, 1988. Accordingly, to give effect to this, Life Insurance Corporation of India, Class I Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985 is being amended with effect from 19th May, 1988.

2. It is certified that the interest of no employee of the Life Insurance Corporation of India is likely to be affected adversely by reason of being given retrospective effect.

Foot Note : The principal rules were published vide Notification No. GSR 794 (E) dated 11-10-1985. Subsequently amended by Notification Nos. GSR 960 (E) dated 7-12-87 and G.S.R. 493 (E) dated 22-4-1988.

